दूरसंचार (प्रसारण एवं केबल) सेवा इंटरकनेक्शन (एड्रेसेबल सिस्टम) (पांचवां संशोधन) विनियम, 2023

सन्दर्भ: भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने हाल ही में दूरसंचार (प्रसारण एवं केबल) सेवा इंटरकनेक्शन (एड्रेसेबल सिस्टम) (पांचवां संशोधन) विनियम, 2023 (2023 का 4) जारी किया है।

- **नई अनुसूची X और डिजिटल अधिकार प्रबंधन (डीआरएम)प्रणाली की आवश्यकताएँ:**
    - इंटरनेट प्रोटोकॉल टेलीविजन (IPTV) सेवाओं के लिए ग्राहक प्रबंधन प्रणाली (SMS) के लिए डीआरएम प्रणाली आवश्यक हैं।
    - IPTV सेवाओं के लिए ग्राहकों द्वारा सशर्त पहुंच और एन्क्रिप्शन के लिए डीआरएम आवश्यक है।
    - IPTV सेवाओं में फिंगरप्रिंटिंग के लिए डीआरएम आवश्यक है।
    - एसटीबी/विशिष्ट उपभोक्ता सदस्यता के लिए डीआरएम आवश्यक है।
- **प्रौद्योगिकी-तटस्थ नियामक व्यवस्था को सक्षम बनाना:**
    - विकास और तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देता है।
    - उपभोक्ता हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
- **पृष्ठभूमि:**
    - ट्राई ने 03.03.2017 को दूरसंचार (प्रसारण एवं केबल) सेवा इंटरकनेक्शन (एड्रेसेबल सिस्टम) विनियमन, 2017 को अधिसूचित किया था।
    - दूरसंचार (प्रसारण एवं केबल) सेवा डिजिटल एड्रेसेबल सिस्टम ऑडिट मैनुअल तैयार करने के लिए किए गए परामर्श के दौरान, कुछ टिप्पणियों और कथनों ने इंटरकनेक्शन विनियमों की अनुसूची III में निहित कुछ मुद्दों को रेखांकित किया।
    - तदनुसार, 27.08.2019 को दूरसंचार (प्रसारण एवं केबल) सेवा इंटरकनेक्शन (एड्रेसेबल सिस्टम) (संशोधन) विनियम, 2019 का मसौदा जारी किया गया था जिसमें डिजिटल अधिकार प्रबंधन प्रणाली से संबंधित मुद्दे शामिल थे।
- **अनुसूची III संवर्द्धन:**
    - इंटरकनेक्शन विनियमों की अनुसूची III में आरम्भ में DRM विनिर्देशों का अभाव था।
    - हितधारकों की प्रतिक्रिया, विशेष रूप से आईपीटीवी-आधारित डीपीओ के डीआरएम प्रौद्योगिकी में परिवर्तन के संबंध में, ने अनुसूची III में डीआरएम विनिर्देशों को शामिल करने के लिए प्रेरित किया।
- **एक समिति का गठन:**
    - ट्राई ने अनुसूची III में शामिल 'डिजिटल राइट मैनेजमेंट (डीआरएम) की आवश्यकता' का मसौदा विकसित करने और उसे प्रस्तुत करने के लिए उद्योग हितधारकों की एक समिति का गठन किया।
- **संशोधनों का विश्लेषण एवं अधिसूचना:**
    - ट्राई ने हितधारकों की टिप्पणियों का विश्लेषण किया तथा सेवा प्रदाताओं और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए कार्य किये।
    - इसके लिए, ट्राई ने डीआरएम से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने और उपभोक्ता हितों की रक्षा करते हुए उद्योग के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए इंटरकनेक्शन विनियमों में संशोधन को अधिसूचित किया है।
- **भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई)**
    - ट्राई की स्थापना 20 फरवरी 1997 को भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण अधिनियम, 1997 के तहत हुई।
    - **उद्देश्य:** दूरसंचार विकास को बढ़ावा देना, सेवाओं को विनियमित करना, टैरिफ निर्धारित करना।
    - **मुख्यालय:** नई दिल्ली।
    - **संरचना:** एक अध्यक्ष, 2 पूर्णकालिक सदस्य और 2 भारत सरकार द्वारा नियुक्त अंशकालिक सदस्य।
    - **सदस्यों का कार्यकाल:** तीन वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक।
    - अध्यक्ष ट्राई का नेतृत्व करते हैं, उपाध्यक्ष केंद्र सरकार द्वारा सहायक के रूप में नियुक्त किये जाते हैं।

मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज (प्रतिरक्षी)

संदर्भ: हाल ही में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, भारत निपाह वायरस के इलाज के लिए ऑस्ट्रेलिया से मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की 20 और खुराक खरीद रहा है।

- भारत पहले ही 2018 में ऑस्ट्रेलिया से निपाह वायरस के इलाज के लिए मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की 20 खुराक खरीद चुका है।
- ये खुराकें भारत में केवल 10 रोगियों के लिए उपलब्ध हैं, जिनका आज तक कोई उपयोग नहीं हुआ है।
- उपचार प्रशासन के संबंध में यह निर्णय राज्य सरकार, चिकित्सा पेशेवरों और सम्बंधित परिवारों के अधीन होता हैं।
- विश्व स्तर पर, मोनोक्लोनल एंटीबॉडी ने भारत के बाहर निपाह वायरस के 14 रोगियों का सफलतापूर्वक इलाज किया है।
- वर्तमान में केरल, निपाह वायरस के प्रकोप को रोकने पर कार्य कर है, जहां एक मामले इस रोग से ग्रस्त पाए गए हैं।

मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज क्या हैं?

- मोनोक्लोनल एंटीबॉडी (MAbs) बी कोशिकाओं के कृत्रिम संस्करण हैं, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली की नकल करते हैं।
- उनका लक्ष्य शारीर में बाह्य आक्रमणों के प्रतिरोध में एंटीजन नामक एक विशिष्ट प्रोटीन का उत्पादन करना है।
- इनका नाम "मोनोक्लोनल" इसलिए है क्योंकि वे एक ही बी सेल क्लोन से उत्पन्न होते हैं, जिससे एक ही प्रोटीन की सटीक प्रतिकृतियां कई बार (MAbs) बनाई जा सकती हैं।
- चूँकि हमारा शरीर संक्रमण के जवाब में विभिन्न प्रकार के एंटीबॉडी का उत्पादन करता है, अतः बाह्य रूप से उत्पादित MAbs विशिष्ट होना चाहिए।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- MAbs का उपयोग केवल संक्रमणों से ही नहीं, बल्कि विभिन्न प्रकार की बीमारियों से निपटने के लिए किया जाता है।

मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज तैयार करने के तरीके:

- **म्यूरिन मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज:**
  - मायलोमा कोशिकाओं के साथ प्रतिरक्षित चूहों या चूहों से बी-लिम्फोसाइटों के संलयन द्वारा उत्पादित म्यूरिन इब्रिडोमा से प्राप्त की जाती हैं।
  - इसे OMAbs सफिक्स (suffix) द्वारा पहचाना गया।
- **मानव मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज:**
  - विशेष रूप से मानव स्रोतों से प्राप्त।
  - इसे UMAbs सफिक्स (suffix) द्वारा पहचाना गया।
- **मानवकृत मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज:**
  - चूहों के प्रोटीन के अंशों को मानव प्रोटीन के साथ मिलाकर प्राप्त किया गया।
  - इसे ZUMAbs सफिक्स (suffix) द्वारा पहचाना गया।
- **काइमेरिक मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज:**
  - इसमें चूहे और मानव घटकों का मिश्रण शामिल है।
  - इसे UMAbs सफिक्स (suffix) द्वारा पहचाना गया।

कुछ एफडीए-अनुमोदित MAbs:

- इन्फ्लेक्ट्रा (Remicade)
- सर्टोलिज़ुमैब पेगोल (Cimzia)
- एलेफ़सेप्ट (Amevive)
- बेज़लोटॉक्सुमैब (Zinplava)
- बेलीमुमैब (Benlysta)
- गोलिमुमैब (Simponi Aria)
- नतालिज़ुमाब (Tysabri)
- ओमालिज़ुमाब (Xolair)
- रिटक्सिमैब (Rituxan)
- उस्तेकिनुमाब (Stelara)

संभावित दुष्प्रभाव:

- बुखार
- ठंड लगना
- कमजोरी
- सिरदर्द
- जी मिचलानाउल्टी करना
- दस्त
- कम रक्तचाप
- चकत्ते (Rashes)

विभिन्न चिकित्सा उपचारों में उपयोग:

- कैंसर (Cancer)
- हृदवाहिनी रोग (Cardiovascular disease)
- क्रोहन रोग (Crohn's disease)
- मल्टीपल स्क्लेरोसिस (Multiple sclerosis)
- सोरायसिस (Psoriasis)
- रूमेटाइड गठिया (Rheumatoid arthritis)
- Systemic lupus erythematosus
- प्रत्यारोपण अस्वीकृति (Transplant rejection)
- बड़ी आंत में सूजन (Ulcerative colitis)

मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक, 2023

संदर्भ: अगले सप्ताह के विशेष संसदीय सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति और शर्तों को विनियमित करने वाले एक विधेयक को संबोधित किया जाएगा।

- मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक, 2023, 10 अगस्त को राज्यसभा में पारित हो गया।
- यह अब अंतिम मंजूरी के लिए लोकसभा में पहुंच गया है।
- विधेयक का उद्देश्य चुनाव आयुक्तों (ईसी) को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के बराबर करने वाले संवैधानिक प्रावधानों में संशोधन करना है।
- इसका उद्देश्य 'अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ' मामले में सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले को पलटने का भी है।

संवैधानिक प्रावधानों में प्रस्तावित परिवर्तन:

- विधेयक का उद्देश्य संवैधानिक प्रावधानों में संशोधन करना है जो पहले चुनाव आयुक्तों (EC) को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के बराबर मानते थे।
- 1991 के चुनाव आयोग अधिनियम के तहत, चुनाव आयोग वेतन और भत्ते के मामले में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के बराबर थे।

कैबिनेट सचिव की शर्तों के साथ सामंजस्य

- प्रस्तावित परिवर्तन चुनाव आयुक्तों के वेतन, भत्ते और सेवा शर्तों को कैबिनेट सचिव के समान करेंगे।
- इसके परिणामस्वरूप 1991 का अधिनियम निरस्त हो जाएगा, जिसने चुनाव आयोग और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के बीच समानता स्थापित की थी।

चुनाव आयोग के प्राधिकार और स्वतंत्रता पर संभावित प्रभाव:

- चुनाव आयोग की शर्तों को नौकरशाही के साथ संरेखित करने का बदलाव चुनाव आयुक्तों के अधिकार और स्वतंत्रता से समझौता कर सकता है।
- वर्तमान में, आयुक्त सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक करते हैं और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के कथित अधिकार के साथ आदेश जारी करते हैं।

अनुच्छेद 324(5) के तहत चुनाव आयोग की स्वतंत्रता का संरक्षण:

- संविधान का अनुच्छेद 324(5) वर्तमान में मुख्य चुनाव आयुक्त को केवल सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के समान प्रक्रिया के माध्यम से हटाने की अनुमति देता है, जिससे उनकी स्वतंत्रता सुनिश्चित होती है।

चुनाव आयोग नियुक्तियों के लिए एक नई समिति का गठन:

- विधेयक का उद्देश्य चुनाव आयोग के सदस्यों का चयन करने के लिए प्रधान मंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधान मंत्री द्वारा नामित एक कैबिनेट मंत्री की एक समिति स्थापित करना भी है।
- विशेष रूप से, इस वर्ष मार्च से सुप्रीम कोर्ट के सुझाव के विपरीत, भारत के मुख्य न्यायाधीश को इस समिति से बाहर रखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले की पृष्ठभूमि:

- मार्च में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि प्रधान मंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश की एक समिति को कार्यकारी प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से सीईसी और ईसी की नियुक्ति करनी चाहिए।
- यह फैसला 2015 में अनूप बरनवाल द्वारा दायर एक जनहित याचिका से उपजा है, जिसमें पीएम की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा ईसीआई सदस्यों की नियुक्ति को असंवैधानिक बताते हुए मौजूदा प्रणाली को चुनौती दी गई थी।

संवैधानिक प्रावधान और सर्वोच्च न्यायालय का हस्तक्षेप:

- संविधान का अनुच्छेद 324(2) राष्ट्रपति को मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के बराबर वेतन पर नियुक्त करने की शक्ति देता है।
- चूँकि इस प्रावधान को लागू करने के लिए संसद द्वारा कोई कानून नहीं बनाया गया था, इसलिए सर्वोच्च न्यायालय ने हस्तक्षेप किया।

1991 अधिनियम का निरसन और नई वेतन शर्तें:

- नया विधेयक 1991 के अधिनियम, विशेष रूप से धारा 3 को निरस्त करने का प्रयास करता है, जो चुनाव आयोग के वेतन को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के बराबर करता था।
- इसके बजाय, विधेयक की धारा 10 में ईसी के वेतन, भत्ते और सेवा शर्तों को कैबिनेट सचिव के समान करने का प्रस्ताव है।

सीसा विषाक्तता और हृदय रोग

संदर्भ: द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल के हालिया अध्ययन के अनुसार, 2019 में, सीसे के विषाक्तता के कारण वैश्विक स्तर पर लगभग 5.5 मिलियन मौतें हृदय रोग से हुई हैं।

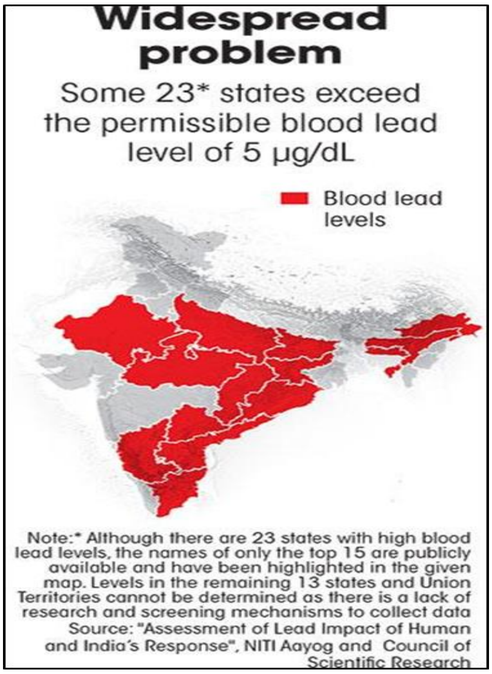

सीसा विषाक्तता का वैश्विक प्रभाव:

- एक हालिया अध्ययन से पता चलता है कि सीसे के संपर्क में आने से स्वास्थ्य और आर्थिक परिणाम वैश्विक स्तर पर सूक्ष्म कण पदार्थ 2.5 (पीएम2.5) वायु प्रदूषण के बराबर होते हैं।
- इस अध्ययन से यह भी पता चला कि लेड पेट्रोल के चरणबद्ध तरीके से बंद होने के बावजूद, सीसा विषाक्तता ने कम आय वाले देशों पर असमान रूप से प्रभाव डाला।
- लगभग 95% स्वास्थ्य प्रभाव निम्न और मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) में रहने वाले व्यक्तियों में देखे गए।
- एलएमआईसी में हृदय रोग से होने वाली मौतें पहले से छह गुना अधिक थीं।

स्वास्थ्य पर प्रभाव:

- एलएमआईसी में औसत रक्त सीसा स्तर 4.6 माइक्रोग्राम प्रति डेसीलीटर (µg/dL) था, जो उच्च आय वाले देशों में 1.3 µg/dL से काफी अधिक है।
- सीसे के संपर्क में आने से पांच साल से कम उम्र के बच्चों में 765 मिलियन इंटेलिजेंस कोशेंट (आईक्यू) अंक का नुकसान हुआ।
- एलएमआईसी में, सीसे के संपर्क में आने के कारण आईक्यू हानि पिछले अनुमानों की तुलना में लगभग 80% अधिक थी, जिसमें बच्चों में औसतन 5.9 आईक्यू अंक दर्ज किये गए।
- 2019 में, सीसे के विषाक्तता से संबंधित मृत्यु दर में 94% हृदय रोग के कारण थे।

सीसा (लेड) विषाक्तता का आर्थिक लागत:

- द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल के अध्ययन में स्वास्थ्य प्रभावों के साथ-साथ आर्थिक लागत का भी आकलन किया गया, जिसमें बच्चों में आईक्यू हानि और सीसे के संपर्क से जुड़ी हृदय रोग से होने वाली मौतें शामिल हैं।
- 2019 में, सीसे के संपर्क में आने से 6 ट्रिलियन डॉलर का वैश्विक आर्थिक नुकसान हुआ, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के सात प्रतिशत के बराबर है।
- एलएमआईसी का घाटा उनके सकल घरेलू उत्पाद के 10% तक पहुंच गया।
- हृदय रोग के अलावा, सीसे के संपर्क से किडनी रोग और विकासात्मक बौद्धिक विकलांगता भी हो सकती है, जिससे मस्तिष्क का विकास प्रभावित हो सकता है।

Everyday risks

There is potential for lead exposure in several common occupations and products that are used in nearly every household

OCCUPATIONAL SOURCES	Non-Occupational Sources
Battery work	Traditional medicine
Mining	Vehicular exhaust
Glass manufacturing	Contaminated cosmetics and sindoor
Automobile repair	Household storage batteries
Ceramic work	Household paints
Painting	Contaminated spices
Pottery	Effluent from lead-based industries
Smelting	Contaminated soil, dust and water near lead-based industries
Printing work	Food grown in lead contaminated areas
Plumbing	Retained bullets
Soldering	Food stored or cooked in lead-coated vessels
Making lead pipes and plastic	Painted toys

Source: "Assessment of Lead Impact of Human and India's Response", Niti Aayog and Council of Scientific Research

वैश्विक चिंता और हॉटस्पॉट देश:

- सीसा (लेड) विषाक्तता एक महत्वपूर्ण वैश्विक चिंता का विषय है, दुनिया भर में लगभग तीन में से एक बच्चे के रक्त में लेड का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन की पांच µg/dL की सहनीय सीमा से अधिक दर्ज किया जा रहा है।
- सीसा (लेड) विषाक्तता के सबसे अधिक बोझ वाले हॉटस्पॉट देशों में ईरान, अफगानिस्तान, यमन, पेरू, वियतनाम, फिलीपींस और मध्य अफ्रीका के कुछ हिस्से शामिल हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

NEWS IN BETWEEN THE LINES

रेड एडमिरल तितली

रेड एडमिरल तितली(बटरफ्लाई) के बारे में:

- **वैज्ञानिक नाम:** वैनेसा अटलांटा
- रेड एडमिरल एक विशिष्ट तितली है जो अपनी आकर्षक उपस्थिति के लिए जानी जाती है। इसके काले पंखों के साथ गहरे लाल-नारंगी बैंड और अग्र पंखों पर सफेद धब्बे होते हैं।
- यह बगीचों, जंगलों और पार्कों में पाई जाती है यह अपनी अनुकूलन क्षमता के लिए जानी जाती है।
- इसे प्रायः सम्पूर्ण ब्रिटेन में देखा जाता है लेकिन आमतौर पर यह भूमध्यसागरीय क्षेत्र और उत्तरी अफ्रीका में रहती है।
- यह जलवायु परिस्थितियों के कारण गर्मियों के दौरान गर्म क्षेत्रों से ब्रिटेन की ओर पलायन कर जाती है।
- इसकी जनसंख्या प्रवृत्ति पर्यावरणीय स्वास्थ्य को दर्शाती है।
- रेड एडमिरल ब्रिटेन की जैव विविधता का एक मूल्यवान घटक है, और इसकी उपस्थिति समग्र पारिस्थितिक संतुलन में योगदान करती है।

हृदय रोग (सीवीडी)

हृदय रोग क्या है?

हृदय रोग रोगों के एक वर्ग को संदर्भित करता है जिसमें हृदय या रक्त वाहिकाएं शामिल होती हैं, जिनमें कोरोनरी धमनी रोग, हृदयाघात , स्ट्रोक और उच्च रक्तचाप (उच्च रक्तचाप) जैसी स्थितियां शामिल हैं।

वैश्विक स्थिति : सीवीडी विश्व स्तर पर मृत्यु का प्रमुख कारण है, जो वैश्विक मृत्यु दर के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए जिम्मेदार है।

जोखिम कारक: सीवीडी के सामान्य जोखिम कारकों में धूम्रपान, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल, मोटापा, मधुमेह और गतिहीन जीवन शैली शामिल हैं।

सीवीडी के प्रकार:

- **कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी)**: कोरोनरी धमनियों में संकुचन या रुकावट के कारण हृदय में रक्त का प्रवाह कम हो जाता है।
- **स्ट्रोक:** मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह में अचानक रुकावट, जो अक्सर थक्के या रक्तस्राव के कारण होती है।
- **हृदयाघात :** इसमें हृदय रक्त को प्रभावी ढंग से पंप करने में असमर्थ हो जाता है , जिससे फेफड़ों और अन्य ऊतकों में तरल पदार्थ का निर्माण होता है।
- **उच्च रक्तचाप:** लगातार बढ़ा हुआ रक्तचाप, सीवीडी के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक है।

रोकथाम: जीवनशैली में बदलाव, जैसे स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम और तंबाकू के सेवन से परहेज, सीवीडी के खतरे को काफी कम कर सकता है।

संगीत नाटक अकादमी अमृत पुरस्कार

भारत के उपराष्ट्रपति (जगदीप धनखड़) ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में संगीत नाटक अकादमी अमृत पुरस्कार प्रदान किए। ये पुरस्कार आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह का हिस्सा हैं।

संगीत नाटक अकादमी अमृत पुरस्कार के बारे में:

- संगीत नाटक अकादमी अमृत पुरस्कार संगीत, नृत्य, थिएटर और संबंधित क्षेत्रों सहित प्रदर्शन कलाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया जाने वाला एक राष्ट्रीय सम्मान है।
- ये पुरस्कार उन कलाकारों, शिक्षकों और विद्वानों को प्रदान किए जाते हैं जिन्होंने प्रदर्शन कला में उत्कृष्ट योगदान दिया है।
- इस वर्ष इस पुरस्कार से 75 साल से अधिक आयु के 84 कलाकारों को सम्मानित किया गया है।
- संगीत नाटक अकादमी अमृत पुरस्कार प्रदर्शन कला में उत्कृष्टता को मान्यता देने वाला राष्ट्रीय सम्मान है।
- नामांकित व्यक्तियों का प्रस्ताव भारत सरकार, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा किया जाता है।
- इस पुरस्कार में 1,00,000 रुपये का नकद पुरस्कार, एक ताम्रपत्र (तांबे की पट्टिका) और अंगवस्त्रम (एक पारंपरिक स्टोल) शामिल है।

Su-30 MKI

Su-30 MKI के बारे में:

- Su-30MKI रूस निर्मित एक लड़ाकू विमान है जिसे भारतीय वायु सेना (IAF) के लिए भारत के हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) द्वारा लाइसेंस के तहत बनाया गया है।
- Su-30MKI सुखोई Su-30 विमान का एक अनुकूलित संस्करण है, जिसे हवाई श्रेष्ठता, जमीनी हमले और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- भारत ने रूस से 272 Su-30MKI प्राप्त किए हैं, जिनमें से कुछ को HAL द्वारा असेंबल किया गया है।
- पहला रूस-निर्मित Su-30MKI वैरिएंट 2002 में भारतीय वायु सेना को प्राप्त हुआ था, जबकि भारत में असेंबल किया गया पहला Su-30MKI नवंबर 2004 से सेवा में आया था।
- भारतीय वायुसेना 12 Su-30 स्क्वाड्रन संचालित करती है, जो इसे उसकी वायु शक्ति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

परिचालन इतिहास: इसे 1998 से भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया तथा विभिन्न अभियानों में सक्रिय रूप से उपयोग किया जा रहा है ।

हालिया खरीद: वायु क्षमता को बनाए रखने के लिए 12 Su-30 MKI विमान खरीदने का प्रस्ताव है।

यूपीएग पोर्टल (UPAg Portal)

भारत के कृषि क्षेत्र में शासन संबंधी चुनौतियों का समाधान करने के लिए नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर रमेश चंद द्वारा यूपीएग (कृषि सांख्यिकी के लिए एकीकृत पोर्टल)(Unified Portal for Agricultural Statistics-UPAg) को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया है।

यूपीएग पोर्टल के बारे में:

- कृषि मंत्रालय द्वारा विकसित यूपीएग, कृषि डेटा प्रबंधन के लिए एक अभूतपूर्व मंच है।
- यूपीएग का लक्ष्य डेटा प्रबंधन को सुव्यवस्थित करना और कृषि वस्तुओं पर वास्तविक समय, मानकीकृत और सत्यापित डेटा प्रदान करना है।
- यूपीएग एक सार्वजनिक पोर्टल के रूप में है, जो खोज लागत को कम करता है, विश्वसनीय डेटा प्रदान करता है और मतभेदों को दूर करता है।
- यूपीएग मानकीकृत और सत्यापित डेटा की कमी जैसी चुनौतियों का समाधान करता है, जो कृषि सांख्यिकी का समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।
- यूपीएग भारत के कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता को बढ़ावा देते हुए ई-गवर्नेंस सिद्धांतों के अनुरूप है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

समाचारों में स्थान **आयरलैंड**	हाल ही में, आयरलैंड को एक असामान्य वित्तीय चुनौती का सामना करना पड़ा है **स्थान :** ➢ आयरलैंड उत्तरी अटलांटिक महासागर में स्थित है। ➢ यह महाद्वीपीय यूरोप के उत्तर पश्चिम में स्थित है। **द्वीप का आकार:** ➢ आयरलैंड यूरोप का तीसरा सबसे बड़ा द्वीप है। ➢ इसका क्षेत्रफल लगभग 84,421 वर्ग किलो मीटर (32,595 वर्ग मील) है। **राजनीतिक सीमाएँ:** ➢ आयरलैंड द्वीप राजनीतिक रूप से दो इकाइयों में विभाजित है: ➢ आयरलैंड गणराज्य (जिसे केवल आयरलैंड के नाम से भी जाना जाता है) ➢ उत्तरी आयरलैंड (यूनाइटेड किंगडम का हिस्सा) **राजधानी शहर:** ➢ डबलिन आयरलैंड गणराज्य की राजधानी और सबसे बड़ा शहर है। ➢ बेलफ़ास्ट उत्तरी आयरलैंड की राजधानी और सबसे बड़ा शहर है। **पर्वत श्रृंखलाएं:** ➢ आयरलैंड में कई पर्वत श्रृंखलाएँ हैं, जिनमें विकलो पर्वत, मैकगिलीकुडीज़ रीक्स और मोर्ने पर्वत शामिल हैं। **प्रमुख नदियाँ:** ➢ शैनन नदी आयरलैंड की सबसे लंबी नदी है, जो उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है। ➢ लिफ़ी नदी डबलिन से होकर बहती है। ➢ फ़ॉयल नदी उत्तरी आयरलैंड और आयरलैंड गणराज्य के बीच की सीमा बनाती है।

POINTS TO PONDER

- **प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रभारी निदेशक के रूप में किसे नियुक्त किया गया?** -आईआरएस अधिकारी राहुल नवीन को
- **2023-2024 के लिए ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशन (एबीसी) के अध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से किसे चुना गया है?** -श्रीनिवासन के. स्वामी
- **हाल ही में किस बैंक ने IB साथी की शुरुआत की है?** -इंडियन बैंक
- **कानूनी मेट्रोलॉजी से संबंधित मुद्दों के प्रबंधन के लिए कौन सा अंतर्राष्ट्रीय संगठन जिम्मेदार है?** –OILM (International Organization of Legal Metrology)
- **किसे चीन के किस नेविगेशन प्रणाली के जीपीएस के समकक्ष के रूप में जाना जाता है?** -बेइदौ (चीन का GPS BeiDou 30 सैटेलाइट से मिलकर बना है।)